create sporting infrastructure. However, one only wonders if local bodies and Panchayati Raj institutions have taken any step of consequence in this respect. The media has been highlighting the remarkable accomplishments of these promising young people from distant small towns, who seek opportunities to flourish. In this age of information connectivity, it is incumbent upon the Government to reach out to the remote areas to recognise the talent, give them the training, financial aid and opportunities, which their native towns lack. Sports, innovation and creative arts should become a viable career for vibrant talents to flourish. Schemes should be formulated to achieve the National Sports Policy objectives.

Demand for installation of traffic signals on busy roundabouts in Delhi

श्री नन्द किशोर यादव (उत्तर प्रदेश) **:** महोदय, दिल्ली के कई व्यस्त गोल चक्करों पर यातायात नियंत्रक ट्रैफिक लाइट सिग्नल के आभाव में पैदल सड़क पार करना भयावह और दुर्घटना संभावित होता जा रहा है। इसका ज्वलन्त उदाहरण गोल डाकखाना का गोल चक्कर है और आम जनता के साथ-साथ सांसदों के लिए भी गोल डाकखाना तक पहुंचना असंभव सा हो गया है। इस गोल चक्कर के नजदीक करीब पांच स्कूल हैं और इन स्कूलों के बच्चों के लिए इस गोल चक्कर में मिलने वाले पंत मार्ग, बी.डी. मार्ग, काली बाडी मार्ग और अशोका रोड को पैदल पार करना दुर्घटना को निमंत्रण देना है। इसके लिए गोल डाकखाना गोल चक्कर पर, जहां ये चारों सड़कें मिलती है, वहां पैदल सड़क पार करने वालों के लिए जेब्रा क्रॉसिंग और गोल चक्कर पर यातायात नियंत्रक लाइट की जरूरत है। उदाहरण स्वरूप पटेल नगर आदि गोल चक्करों पर इस तरह की व्यवस्था की गयी है।

अतः सरकार से अनुरोध है कि गोल डाकखाना के गोल चक्कर पर मिलने वाले चारों मार्गो पर उचित जेब्रा क्रॉसिंग और यातायात नियंत्रक लाइट की व्यवस्था अविलम्ब दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा की जाए।

Concern over pollution caused by sugar mills and deforestation in Western Uttar Pradesh

श्री हरेन्द्र सिंह मलिक (हरियाणा) **:** महोदय, पश्चिम उत्तर प्रदेश का पर्यावरण पेड़ों के लगातार कटान, मिलों द्वारा फैलाये जा रहे धुएं तथा अन्य विषैले अपव्यों से लगातार बिगड़ रहा है। उत्तर प्रदेश की चीनी मिलें वहां पर अत्याधिक प्रदूषण फैला रही हैं जिससे आम नागरिकों का जीवन दूभर हो गया है। यही नही पश्चिम उत्तर प्रदेश का हाल अत्यंत बुरा है। एक शुगर कम्पलैक्स मुजफ्फरनगर से निकलने वाला दुषित जल कच्चे खुले नाले से हिन्डन नदी में छोड़ा जाता है, जिससे भूजन्य दूषित हो रहा है। इससे नदी का जल भी दूषित होता है और मानव तथा पशुओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार अन्य चीनी मिलें भी प्रदूषण फैला रही हैं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि प्रदूषण फैलाने तथा पर्यावरण बिगाड़ने वाले उधोगों के विरूध्द प्रभावी कार्रवाई कर जनजीवन को बचाया जाए। धन्यवाद।